

Padma Bhushan



SHRI RAJIV MEHRISHI

Shri Rajiv Mehrishi was the 13th Comptroller and Auditor General of India.

2. Born on 8th August, 1955, Shri Mehrishi obtained his B.A. and M.A. degrees from St. Stephen's College, University of Delhi, where he also taught for a short while. Later, he read at the University of Strathclyde, Glasgow, obtaining his M.B.A. degree. He joined the IAS in 1978 and was allotted his home cadre, Rajasthan. In Rajasthan, he held various important posts, including that of Principal Secretary Finance and, later, of Chief Secretary, Rajasthan.
3. Shri Mehrishi was on Central deputation four times. At the Centre he was both the Union Finance Secretary and the Union Home Secretary. He was elected as the President of the UN Board of Auditors and the Vice Chairperson of UN Panel of Auditors.
4. Shri Mehrishi is known for seeking and contributing to fundamental changes in systems of governance. To cite a few examples: almost single-handedly he wrote the rules for the then new Narcotics Drugs and Psychotropic Substances Act 1985, which became the model for all other states; in 1994-95 he re-wrote the transport taxation laws in Rajasthan, which fundamentally changed the basis of motor vehicle taxation, and which also became the basis for similar rules in other States; in 2003, he dictated the first draft of the new Companies Act, which ultimately became law in 2013; and in 2015, he was instrumental in drafting India's first Bankruptcy Code, which became law in 2016; and in setting up the Monetary Policy Committee of the Reserve Bank of India, which too was enshrined in the law in 2016.
5. Shri Mehrishi is a polymath, with wide and varying interests. He reads widely, with a special interest in books on science and mathematics, and writes OP-eds for newspapers on various issues of public policy. He is a keen sportsperson, his current interests being long distance cycling, golf and cross-country motor trips. He plays professional level bridge. He has written books for civil service aspirants. He is also an amateur chef, specialising in pickles, which are branded and marketed.

पद्म भूषण



श्री राजीव महर्षि

श्री राजीव महर्षि भारत के 13वें नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक थे।

2. 8 अगस्त, 1955 को जन्मे, श्री महर्षि ने सेंट स्टीफंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.ए. और एम.ए. की डिग्री प्राप्त की और वहीं उन्होंने कुछ समय के लिए अध्यापन कार्य भी किया। बाद में, उन्होंने स्ट्रेथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो में पढ़ाई की और अपनी एम.बी.ए. की डिग्री प्राप्त की। ये 1978 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए और उन्हें अपना गृह कैडर, राजस्थान आवंटित किया गया। राजस्थान में, उन्होंने प्रमुख सचिव वित्त और बाद में, मुख्य सचिव, राजस्थान सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।
3. श्री महर्षि ने चार बार केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सेवाएँ दीं। केंद्र में उन्होंने केंद्रीय वित्त सचिव और केंद्रीय गृह सचिव दोनों के रूप में काम किया था। वे यूएन बोर्ड ऑफ ऑडिटर्स के अध्यक्ष और यूएन पैनल ऑफ ऑडिटर्स के उपाध्यक्ष के रूप में चुने गए थे।
4. श्री महर्षि को शासन प्रणाली में मूलभूत परिवर्तन की मांग करने और इस दिशा में सुधार लाने की दिशा में योगदान के लिए जाना जाता है। उदाहरण स्वरूप उन्होंने लगभग अकेले ही तत्कालीन नए स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के लिए नियम लिखे, जो अन्य सभी राज्यों के लिए मॉडल अधिनियम बन गया; वर्ष 1994—95 में उन्होंने राजस्थान में परिवहन कराधान कानूनों को फिर से लिखा, जिसने मूल रूप से मोटर वाहन कराधान के आधार को बदल दिया, और जो अन्य राज्यों में भी इसी तरह के नियमों का आधार बन गया; वर्ष 2003 में, उन्होंने नए कंपनी अधिनियम का पहला मसौदा तैयार किया, जो अंततः 2013 में कानून बना; और वर्ष 2015 में, उन्होंने भारत के पहले दिवालियापन संहिता का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे 2016 में कानून का स्वरूप लिया; और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की स्थापना में उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही, जिसे 2016 में विधि के रूप में प्रतिष्ठापित किया गया।
5. श्री महर्षि बहुमुखी व्यक्तित्व के स्वामी हैं और उनकी अभिरुचियाँ अत्यंत व्यापक और विविध हैं। ये गंभीर अध्येता हैं और विज्ञान एवं गणित विषयों की पुस्तकों को विशेष रुचि के साथ पढ़ते हैं तथा वे सार्वजनिक नीति के विभिन्न मुद्दों पर समाचार पत्रों के लिए संपादकीय भी लिखते हैं। उनकी खेल में भी गहन रुचि है और वे लंबी दूरी तक साइकिल चलाना, गोल्फ और क्रॉस-कंट्री मोटर ट्रिप में गहरी रुचि रखते हैं। वे प्रोफेशनल लेवल पर ब्रिज खेलते हैं। उन्होंने सिविल सेवा के अभ्यर्थियों के लिए किताबें लिखी हैं। वह एक शौकिया शेफ भी हैं एवं अचार बनाने में उन्हें विशेषज्ञता हासिल है जिनकी ब्रांडिंग और मार्केटिंग की जाती है।